विजयस्तंभ

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY
रतलाम मंडल

त्रैमासिक राजभाषा ई -पत्रिका

14 वां अंक

अप्रैल से जून - 2024

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक
श्री रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक

संरक्षक
श्री अशफाक अहमद
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं
अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादक
श्री सतीश वलवी
वरि. राजभाषा अधिकारी

संपादन सहयोग
ओम प्रकाश मीना
वरि.अनुवादक
दौलत राम ताबियार
वरि.अनुवादक
राजेंद्र सेन
वरि.अनुवादक
दलवीर सिंह चौधरी
वरि.अनुवादक

विशेष सहयोग
(डिजाइनिंग)
इरशाद खान
कार्यालय अधीक्षक

अनुक्रमणिका

क्र.स			पृष्ठ
1	संरक्षक की कलम से	-	1
2	अपनी बात	-	2
3	संपादकीय	-	3
4	रतलाम के प्राकृतिक स्थल – 1 'जामण पाटली' (भ्रमण)	इरशाद खान	4 - 5
5	रतलाम की उपलब्धियां	-	6-23
6	पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की गतिविधियाँ	-	24-25
7	राजभाषा की गतिविधियाँ	-	26 -27
8	सावन (कविता)	शिव चौहान 'शिव'	28
9	सावन (कविता)	लक्ष्य ताम्रकार	28
10	तुम राधिका बन जाओ (कविता)	शिव चौहान 'शिव'	29
11	रिमझिम बरसे सावन (कविता)	शिव चौहान 'शिव'	29
12	शोध का धरातल (लेख)	इंदु तिवारी	30
13	वार्षिक कार्यक्रम	ओमप्रकाश मीना	31-33
14	ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग	दौलतराम ताबियार	34
15	दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन	दुर्गा प्रसाद वर्मा	35
16	पर्वत प्रदेश में पावस	सुमित्रानंदन पंत	36
17	सुमित्रानंदन पंत की कृतियां	-	37
18	विश्व पर्यावरण दिवस(अंतिम पृष्ठ)	-	38

- पता – राजभाषा अनुभाग मंडल कार्यालय, पश्चिम रेलवे, रतलाम, मध्यप्रदेश

  दूरभाष- 092-44032

- पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं और कुछ सामग्री इंटरनेट से संकलित हैं । जिससे संपादक मंडल का सहमत होना जरुरी नहीं है ।
- निशुल्क ई –पत्रिका ।

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY

मुख्य संरक्षक की कलम से

मुझे जानकर प्रसन्नता हुई कि रतलाम मंडल का राजभाषा विभाग अपनी गृह पत्रिका ‘विजयस्तंभ’ के 14 वें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। भाषा में विचारों को प्रेरित करने की अद्भुत शक्ति होती है और वही शक्ति हमारी अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है।

हिंदी भाषा भी हमें ऐसे ही प्रेरक विचार प्रदान करती है जिसके माध्यम से हम हमारे विचारों को एक दूसरे के साथ आदान-प्रदान करते हैं हिंदी पत्रिकाओं का मुख्य उद्देश्य मंडल पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विचारों को आमजन के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। हमारी भाषा ही हमारा मूल्यांकन करती है और हमारे निष्पादन का आधार बनती है।

‘विजयस्तंभ’ राजभाषा पत्रिका में सभी विधाओं के लेखों रचनाओं को शामिल किया जाता रहा है ताकि पत्रिका में विविधता और रोचकता बनी रहे।

‘विजयस्तंभ’ पत्रिका के प्रत्येक अंक में रोचक सज्जा सहित कविताओं लेखों तथा रतलाम मंडल पर हो रहे विविध कार्यों का समावेश किया गया है ताकि मंडल की विविध गतिविधियों की जानकारी हो सके।

मेरा सभी रेल रचनाकारों से आग्रह है कि आप ‘विजयस्तंभ’ की विकास यात्रा में निरंतर सहयोग प्रदान करते रहें ताकि प्रकाशन का यह क्रम निरंतर अग्रसर होता रहे।

प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेरी शुभकामनाएं।

रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY

अपनी बात

हर्ष का विषय है कि ‘विजयस्तंभ’ का 14 वां अंक राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने जा रहा है। रेलवे के विकास में रेल पत्रिकाओं का विशेष योगदान रहता है हिंदी पत्रिकाओं में प्रकाशित विभिन्न जानकारियां लेख कहानी कविता आदि विधाओं से पाठकों का भरपूर ज्ञानवर्धन होता है इसके साथ-साथ राजभाषा के प्रयोग प्रसार को बढ़ाने के लिए ‘विजयस्तंभ’ के प्रत्येक अंक में राजभाषा के नीति -नियमों को भी प्रकाशित किया जाता है ताकि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा की जानकारी उपलब्ध हो सके। विगत अंक को महिला विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया था जिसकी सभी पाठकों ने काफी प्रशंसा की। हम सभी का यह दायित्व बन जाता है कि राजभाषा पत्रिका के सफल प्रकाशन में किसी न किसी रूप में अपनी भागीदारी अवश्य करनी चाहिए।

अंत में यही कहूंगा कि आप सभी अपनी कहानी,कविता, लेख एवं अन्य जानकारियों से ‘विजयस्तंभ’ ई -पत्रिका की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

संपादक मंडल को मेरी शुभकामनाएं।

अशफाक़ अहमद
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादकीय

रतलाम मंडल की गृह पत्रिका 'विजयस्तंभ' के 14 वें अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार खुशी का अनुभव हो रहा है। संपादक के रूप में 'विजयस्तंभ' का यह मेरा पहला अंक है। भाषा की अपनी एक विशेषता होती है जिसकी वजह से वह जनमानस में अपनी छाप छोड़ती है। 'विजयस्तंभ' इसका बखूबी निर्वहन कर रहा है। हमारा यह प्रयास रहता है कि प्रत्येक अंकों को बेहद रोचक ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बनाया जाए ताकि सभी पाठक गण इसका भरपूर लाभ उठा सके।

राजभाषा पत्रिका में हम यह भी प्रयास करते हैं कि राजभाषा नीति -नियमों की जानकारी सुधी पाठकों को मिल सके तथा मंडल की विभिन्न गतिविधियों का समावेश करते हुए हम इसे जन-जन के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास करते हैं विगत अंक की पाठकों ने काफी प्रशंसा की है और मेरा मानना है कि यदि आप सभी का भरपूर सहयोग हमें इसी तरह से प्राप्त होता रहेगा तो हम 'विजयस्तंभ' पत्रिका की विकास यात्रा को और अधिक समृद्ध बना सकेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा अपने विचारों से हमें अवगत कराते रहें जिससे पत्रिका को और अधिक बेहतर बनाया जा सके।

सभी सुधी पाठकों को मेरी शुभकामनाएं।

सतीश वलवी
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी
रतलाम

रतलाम के प्राकृतिक स्थल -1
'जामण पाटली'

बरसात का मौसम प्रारम्भ होने वाला है और ये मौसम रतलाम वासियों के लिए सबसे बढ़िया होता है यहाँ होने वाली बरसात से रतलाम के सभी नदी , तालाब आदि पानी से लबालब भरने लगते है यह प्रकृति प्रेमियों , पर्यटकों के भ्रमण के लिए उपयुक्त होता है क्योंकि रतलाम की गर्मी से झुलस चुके लोगों के लिए यह आनन्द करने और मौज करने का समय होता है। यहाँ के कई प्राकृतिक स्थल ऐसे है जो कि आपको आनंदित करेंगे जिनमें से एक स्थल है जामण -पाटली।

रतलाम स्टेशन से लगभग 10 किलोमीटर दूर शिवगढ़ जाने वाले रास्ते से होते हुए रतलाम पर्यावरण पार्क के आगे मुख्य मार्ग से बाएं तरफ एक पुलिया दिखाई देती है इस पुलिया के नीचे बरसात के मौसम 'जामण' नदी में जल भराव होने से यहाँ पर तालाब बन जाता है जो कि अत्यंत मनोरम दिखाई देता है क्योंकि चारों ओर कम ऊंचाई के टीलों एवं पहाड़ियों से इसका नजारा बहुत सुंदर दिखाई देता है जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

इसके चारों तरफ टीलों पर हरी – हरी घास उग जाती है यह ऐसी प्रतीत होती है जैसे प्रकृति ने हरी चादर से ढँक दिया हो। यहाँ पर सप्ताहंत (वीकेंड) पर सबसे अधिक लोगों आते है। वैसे यहाँ पर खाने-पीने का कोई विशेष सामान नहीं मिलता केवल भुने भुट्टे मिलते है। कुछ लोग यहाँ पर अपने घर से खाने का सामान यहाँ लाते है और परिवार सहित खुले आसमान और वातावरण का आनंद लेकर खाते हैं तो कुछ यहाँ पर अपने घर से लाए सामन को यही खाना पकाकर पिकनिक का आनंद लेते हैं कई लोग यहाँ पानी में परिवार के साथ आनंद करते मिलते हैं हालांकि प्रशासन पानी में जाने पर लोगों को रोकता भी है क्योंकि दूर पहाड़ों पर पानी बरसने से जल स्तर बढ़ने का खतरा भी होता है।

जामण- पाटली से कुछ ही दूरी पर रतलाम पाम लेक /पाम स्पॉट (गूगल मेप के अनुसार) शिवगढ़ जाने वाले मुख्य मार्ग से दायीं ओर से एक रास्ता जाता है वहां पर एक मंदिर के पास पुलिया पर से पैदल जाने पर एक बड़ा ही सुंदर झरना लेक के ओवर फ्लो होने से बनता है इस झरने का आनंद भी लोग खूब लेते हैं यहाँ पर परिवार के साथ झरने में नहाते हैं।

इस स्पॉट के करीब में ही एक सनसेट पॉइंट है जहाँ से सूर्य अस्त होने का आनंद लेते हैं।

इरशाद खान
कार्यालय अधीक्षक
मंडल कार्यालय रतलाम

रतलाम मंडल की उपलब्धियां

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा वृक्षारोपण :

मिशन 40^0 के तहत दिनांक 09.07.2024 को मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद द्वारा वृक्षारोपण - 2024 के अंतर्गत पौधा रोपण किया गया ।

मंडल रेल प्रबंधक रतलाम का नागदा एवं खाचरोद स्टेशन निरीक्षण :

मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री राजनीश कुमार द्वारा 30 अप्रैल, 2024 को नागदा एवं खाचरोद स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया गया। नागदा एवं खाचरोद स्टेशनों का विकास अमृत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है। इसके तहत किए जा रहे यात्री सुविधा के साथ ही साथ सर्कुलेटिंग एरिया के विकास कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर(कार्य), वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर(पावर), वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(पश्चिम) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक का देवास, लक्ष्मीबाई नगर, राऊ-डॉ.अम्बेडकर नगर दोहरीकरण, डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन निरीक्षण :

रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार द्वारा 16 एवं 17 मई, 2024 को संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ देवास, लक्ष्मीबाई नगर, राऊ-डॉ.अम्बेडकर नगर दोहरीकरण, डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन इत्यादि का गहन निरीक्षण एवं किए गए कार्यों की समीक्षा की गई।

16 मई, 2024 को फतेहाबाद - चंद्रावतीगंज उज्जैन खंड में समपार संख्या 4/सी का निरीक्षण कर गेट की कार्यशीलता,पटाखे, विभिन्न प्रकार के निरीक्षण रजिस्टर की जांच की गई तथा ऑन ड्यूटी गेटमैन से गेट के सुरक्षित एवं संरक्षित संचालन की जानकारी ली गई। इसके साथ ही देवास एवं लक्ष्मीबाईनगर स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के तहत किए जा रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों एवं यात्री सुविधा से संबंधित कार्यों का जायजा लिया गया तथा यात्री सुविधा से संबंधित कार्यो को निर्धारित समयावधि में शीघ्रता से पूरा करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

17 मई, 2024 को मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री रजनीश कुमार द्वारा अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में राऊ से डॉ. अम्बेडकर नगर यार्ड के मध्य ब्लॉक लेकर किए जा रहे दोहरीकरण कार्य का काफी गहनता से निरीक्षण किया गया। राऊ से समपार संख्या 258 तक मोटर ट्रॉली से निरीक्षण किया गया तथा खंड में किए जा रहे दोहरीकरण कार्य का जायजा लिया गया। इस दौरान राऊ, हरनिया खेड़ी एवं डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन पर किये जा रहे निर्माण कार्यों, यात्री सुविधा के कार्यों आदि का निरीक्षण कर कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक रतलाम द्वारा समपार संख्या 157/सी का निरीक्षण कर ऑन ड्यूटी गेटमैन से गेट संचालन के साथ संरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी ली गई।

इन दो दिवसीय निरीक्षण में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(उत्तर), वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(दक्षिण), वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर(दक्षिण), वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर , टीआरडी एवं पावर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(कार्य) सहित अन्य अधिकारी एवं पर्यवेक्षक अपने अपने खंड में उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक का लिमखेड़ा एवं दाहोद स्टेशन निरीक्षण :

रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे विकासात्मक कार्यों के साथ ही साथ अधोसंरचनात्मक एवं संरक्षा से संबंधित किए जा रहे कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ 20 जून , 2024 को रतलाम –लिमखेड़ा खंड के साथ ही साथ स्टेशन का निरीक्षण किया गया।

रतलाम से लिमखेड़ा के मध्य विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक पर संरक्षा एवं ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों का जायजा लिया। स्टेशन पर विभिन्न विकासात्मक एवं संरक्षा से संबंधित कार्यों का निरीक्षण के दौरान अमृत स्टेशन योजना के तहत लिमखेड़ा, दाहोद एवं मेघनगर स्टेशन पर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने हेतु निर्देशित किया।

लिमखेड़ा एवं दाहोद स्टेशन पर संरक्षा से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं की जांच की गई तथा स्टेशन मास्टर एवं अन्य कर्मचारियों से संरक्षित ट्रेन संचालन में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी ली। संरक्षा से संबंधित विभिन्न उपकरणों की कार्यशीलता की जांच भी की गई।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय), वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (कार्य), वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक(सामान्य), मंडल इंजीनियर(पश्चिम) सहित अन्य अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

रेलवे ग्राउंड पर जिम का शुभारंभ :

दिनांक 19.05.2024 को मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार द्वारा रेलवे ग्राउंड पर जिम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) ,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय), वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक , वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे ।

हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है |

मौलाना हसरत मोहनी

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम

राजभाषा तिमाही बैठक

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में दिनांक 26.04.2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया | बैठक वरि.मं. यां. इंजी (डी) की अध्यक्षता में की गई जिसमें शेड के सदस्य एवं मंडल कार्यालय राजभाषा विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे | राजभाषा बैठक के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न मदों पर चर्चा की गयी

संरक्षा सेमिनार-

दिनांक 19.04.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर, रतलाम द्वारा रनिंग श्रेणी के कर्मचारियों के लिए संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया । सेमिनार का आयोजन सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी श्री हीरा लाल सूर्यवंशी, संरक्षा सलाहकार लोको श्री राजेश बुंदवाल द्वारा किया गया तथा श्री मुकेश सोनी एवं श्री आर.के.यादव वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा संबोधित किया गया। संरक्षा सेमिनार में लोड स्थिरीकरण, लोड रोल की रोकथाम, ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सिगनलों की दृश्यता एवं उनके आदान-प्रदान से संबंधित नियमों/प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई तथा रनिंग स्टाफ की समस्याओं की भी जानकारी प्राप्त कर उनका समाधान किया गया । सेमिनार में लोको पायलट रिफ्रेशर कोर्स के कुल 32 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया ।

अग्निशमन प्रशिक्षण-

दिनांक 22.04.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर रतलाम द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन एवं मॉक ड्रिल का प्रशिक्षण दिया गया । अग्निशमन प्रशिक्षण मे उपस्थित सभी कर्मचारियों को अग्निशमक यंत्रों के प्रकार उनके उपयोग एवं आग से बचने तथा आपदा की स्थिति से निपटने के बचाव तथा आपदा की जानकारी दी गई । इसमें 29 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया |

उप मुख्य बिजली इंजीनियर /चर्चगेट द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण–

उप मुख्य बिजली इंजीनियर /चर्चगेट श्री के शिवकुमार द्वारा एलसीसी आरटीएम का निरीक्षण 19.04.2024 को किया गया। सीईई/सीसीजी द्वारा निरीक्षण के दौरान शेड की प्रगति और एसी लोकोमोटिव के साथ-साथ डीएसएल लोकोमोटिव के रखरखाव में निरंतर सुधार और प्रगति की सराहना की गई। डिप्टी सीईई/सीसीजी द्वारा एलसीसी/आरटीएम के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया गया और डिप्टी सीईई/सीसीजी द्वारा गुणवत्ता इकाइयों के संबंध में प्रश्न पूछे गए और किए गए कार्यों की सराहना की गई।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती–

दिनांक 14.04.24 को एलसीसी आरटीएम में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती मनाई गई। एक समारोह आयोजित किया गया और डब्ल्यूआरएमएस, डब्ल्यूआरईयू और ओबीसी एवं एससी/एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित शेड अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसके बाद अधिकारियों सहित शेड के सभी कर्मचारियों द्वारा बाबा साहेब की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

बैटरी माइक्रो-पोर वेंट प्लग सफाई व्यवस्था -

बैटरी माइक्रो-पोर वेंट प्लग का उद्देश्य सेल से पानी के वाष्पीकरण को कम करना है, क्योंकि छिद्रपूर्ण संरचना पानी को बाहर निकलने से रोकती है और केवल गैसों को बाहर निकलने देती है। यदि छिद्रपूर्ण वेंट प्लग बंद हो जाता है, तो बैटरी फट सकती है। ऐसी स्थितियों से बचने के लिए, पहले वेंट प्लग को पानी से ब्रश करके साफ किया जाता था, अब बैटरी माइक्रो-पोर वेंट प्लग सफाई व्यवस्था शेड स्तर पर तैयार की जाती है, जिसमें वेंट प्लग को शेड में बने वेंट प्लग फिक्सचर में फिट किया जाता है, घोल में डुबोया जाता है और हवा के दबाव से साफ किया जाता है। यह माइक्रो-पोर वेंट प्लग व्यवस्था शेड में उपलब्ध स्क्रैप

सामग्री का उपयोग करके बनाई गई है

शंटिंग के दौरान लोको में 15 किमी प्रति घंटे की गति प्रतिबंध संशोधन का प्रावधान –

RDSO Modification Sheet No. EL/2.2.9/10 dated 26.05.2023 के अनुपालन में पारंपरिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में 15 किमी प्रति घंटे तक गति प्रतिबंध का प्रावधान शुरू किया गया था। स्पीडोमीटर के अतिरिक्त रिले आउटपुट एन/ओ संपर्क का उपयोग करके शंटिंग मोड संचालन सुनिश्चित करने के लिए, इस संशोधन को 127 लोकोमोटिव में लागू किया गया है।

टीएमडीडीएस का संशोधन –

RDSO Modification Sheet No. RDSO/2022/EL/MS/0487 Rev '0' dt.19.09.2023 के अनुपालन में ट्रैक्शन मोटर ड्रॉपिंग डिटेक्शन सिस्टम (टीएमडीडीएस) से संबंधित संशोधन 27 लोको में किया और पूरा किया गया है। यह उपकरण हिताची एचएस 15250 ए ट्रैक्शन मोटर्स वाले इंजनों की बोगी में स्थापित किया गया है। टीएमडीडीएस ने कैब में सिगनलिंग लैंप एलएसटीएम और बजर ध्वनि के माध्यम से चालक दल को सचेत किया, जिसके बाद बीपी को 0 पर गिराकर आपातकालीन ब्रेक लगाने के साथ डीजे ट्रिपिंग हुई और एमपीसीएस डिस्प्ले में एक घटना प्रदर्शित होगी कि "डीजे बीपीईएमएस के माध्यम से ट्रिप हो गया"।

एल.सी.सी. आर.टी.एम. में "मिशन स्क्रैप फ्री"का शुभारंभ:-

एल.सी.सी. आर.टी.एम. शेड परिसर को स्क्रैप से मुक्त करने के लिए दिनांक 20.05.2024 से अभियान शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत सभी अनुभागों को अपने-अपने अनुभागों में रखे स्क्रैप के निपटान की प्रक्रिया शुरू करनी है तथा दिनांक 30.06.2024 तक अनुभागों को "स्क्रैप फ्री" बनाना है तथा स्क्रैप को भण्डार विभाग को प्रस्तुत करना है। वर्तमान में स्क्रैप को एकत्रित कर, पृथक करके उसके निपटान हेतु निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित रूप से व्यवस्थित किया गया है।

निरीक्षण अनुभाग में ओएचई इंडिकेटर का प्रावधान –

लाइन क्रमांक 1 एवं 2 पर ओएचई के अंतर्गत एसी इंजनों का परीक्षण किया जा रहा है, जिसके लिए ओएचई लाइव/डेड स्थिति दर्शाने के लिए ओएचई इंडिकेटर लगाया गया था। पहले लगाया गया इंडिकेटर खराब हो गया था तथा एलईडी बंद हो गई थी। इसलिए कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एलसीसी रतलाम में उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से ओएचई स्थिति की पहचान के लिए एक नया सेटअप तैयार किया गया है। इस सेटअप में लोको से निकाली गई मार्कर लाइट शामिल है, जहां "ओएचई लाइव" स्थिति के दौरान लाल एलईडी और "ओएचई डेड" स्थिति के लिए हरी एलईडी जलती है, इससे ओएचई के आसपास काम करते समय कर्मचारियों को जागरूक रहने में मदद मिलती है।

अग्निशमन मॉक ड्रिल –

28.05.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर रतलाम द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन एवं मॉक ड्रिल का प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन प्रशिक्षण में उपस्थित सभी कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्रों के प्रकार, उनके उपयोग एवं आग से बचाव तथा ऐसी परिस्थितियों से निपटने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस सत्र में एलसीसी/आरटीएम के 310 कर्मचारी एवं टीटीसी/आरटीएम के प्रशिक्षु शामिल हुए।

संरक्षा संगोष्ठी:-

ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर, रतलाम द्वारा दिनांक 21.05.2024 को रनिंग श्रेणी के कर्मचारियों के लिए संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन सीनियर डीएसओ/आरटीएम श्री यू.एस. प्रसाद, संरक्षा सलाहकार (लोको) श्री राजेश बुंदवाल, संरक्षा सलाहकार (सी एंड डब्ल्यू) श्री डी.आर. परिहार द्वारा किया गया तथा श्री महेश कस्तूरे सीनियर इंस्ट्रक्टर(रनिंग) द्वारा संबोधित किया गया। संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार (लोको) ने एलआर को सही ढंग से लेने, यार्ड ले आउट को जानने तथा उचित आराम करने के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही दुर्घटनाओं और आग की कुछ पिछली घटनाओं पर प्रकाश डाला तथा उन्हें रोकने के लिए कदम उठाने पर भी प्रकाश डाला। संरक्षा सलाहकार (सी एंड डब्ल्यू) ने जीडीआर करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, सिगनल कॉल-आउट की विधि तथा मानवीय भूल की रोकथाम पर प्रकाश डाला । सीनियर इंस्टिट्यूट (रनिंग) ने रनिंग ड्यूटी करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतने, सिगनल , ब्रेक फील तथा

ब्रेक पावर टेस्ट की सही जानकारी रखने तथा सहायक लोको पायलट की भूमिका पर प्रकाश डाला। सीनियर डीएसओ/आरटीएम ने प्रशिक्षुओं से बातचीत करते हुए उन्हें ड्यूटी के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें ड्यूटी के दौरान सकारात्मक सोच के साथ काम करने की सलाह दी तथा एसपीएडी से बचाव के उपाय भी बताए। सेमिनार में सहायक लोको पायलट रिफ्रेशर एवं लोको पायलट प्रमोशन कोर्स के कुल 27 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में डिप्टी सीवीओ (एस)/डब्ल्यूआर द्वारा सतर्कता जागरूकता सेमिनार –

09.05.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर एलसीसी आरटीएम में श्री वेदपाल डिप्टी सीवीओ (एस)/डब्ल्यूआर द्वारा "निवारक सतर्कता जागरूकता"पर एक प्रस्तुति और व्याख्यान दिया गया। सेमिनार के दौरान सतर्कता विभाग की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संरचना और केस स्टडी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और इसमें एलसीसी आरटीएम के कुल 51 पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर –

वर्ष 2024-25 के लिए पहला स्वास्थ्य जांच शिविर 30.05.2024 को लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में एलसीसी आरटीएम और संभागीय अस्पताल रतलाम के समन्वय से आयोजित किया गया। शिविर में शामिल कुल 81 कर्मचारियों के स्वास्थ्य मापदंडों यानी रक्तचाप, शुगर के स्तर की जांच की गई।

एलसीसी रतलाम के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम:-

• लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का 57वां स्थापना दिवस 01/05/2024 को धूमधाम से मनाया गया।
• समारोह के दौरान मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक/आरटीएम एवं विशिष्ट अतिथि अपर रेल प्रबंधक/आरटीएम, सीएमपीई/डीएसएल/डब्ल्यूआर सहित रतलाम मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
• समारोह में शेड के लगभग 600 नियमित कर्मचारी एवं 160 सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने परिवार के सदस्यों (लगभग 1200 पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे) के साथ उत्साहपूर्वक शामिल हुए।
• समारोह के दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था थी।
• समारोह के अंतर्गत शेड कर्मचारियों द्वारा लगभग 20 से 25 सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं शेड के सभी अनुभागों को सजाया गया।
• बच्चों के मनोरंजन के लिए टॉय ट्रेन, मिक्की माउस एवं अन्य कार्टून आदि की व्यवस्था की गई थी ।

पीसीईई द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण-

एलसीसी आरटीएम का निरीक्षण **25.05.2024** को श्री रंजन श्रीवास्तव पीसीईई/सीसीजी/डब्ल्यूआर द्वारा किया गया तथा पीसीईई/सीसीजी/डब्ल्यूआर द्वारा निरीक्षण के दौरान एसी लोकोमोटिव के साथ-साथ डीएसएल लोकोमोटिव के रखरखाव में शेड के चल रहे सुधार और प्रगति की सराहना की गई।

सीएमई/योजना/पश्चिम रेलवे द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण

07.05.2024 को श्री एन.के .पचौरी सीएमई/योजना/पश्चिम रेलवे द्वारा एल.सी.सी .आर.टी.एम .का निरीक्षण किया गया तथा शेड की प्रगति तथा एसी लोकोमोटिव के साथ-साथ डीजल लोकोमोटिव के रखरखाव में चल रहे निरंतर सुधार और प्रगति की सराहना की गई। निरीक्षण के दौरान एल.सी.सी .रतलाम .में पीएच-**42** के अंतर्गत चल रहे विभिन्न कार्यों की स्थिति पर चर्चा की गई

सीईएलई/डब्ल्यूआर एवं डीईई/आरएस/रेलवे बीडी द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण

एलसीसी आरटीएम का निरीक्षण श्री विवेक दीक्षित सीईएलई/डब्ल्यूआर एवं श्री विकास आनंद/निदेशक डीईई)आरएस/(आरबी द्वारा दिनांक **09.05.2024** को किया गया तथा शेड की विभिन्न गुणवत्ता इकाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण प्रगति के दौरान शेड की रखरखाव गुणवत्ता में सुधार के सुझाव दिए गए। एसी लोकोमोटिव के रखरखाव में निरंतर सुधार एवं प्रगति देखी गई। लोको पायलटों एवं सहायक लोको पायलटों के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के पारंपरिक (मॉडल का उद्घाटन सीईएलई/डब्ल्यूआर द्वारा डीईई/आरएस एवं उप सीवीओ/सीसीजी की उपस्थिति में ट्रैक्शन सेंटर रतलाम में किया गया

टीएफआर तेल निस्पंदन संयंत्र –

शेड की ट्रांसफार्मर तेल निस्पंदन क्षमता को बढ़ाने के लिए पीएफ नंबर 3 और 4 के बीच 5000 LPH क्षमता का एक नया ट्रांसफार्मर तेल निस्पंदन संयंत्र स्थापित किया गया है, एलसीसी आरटीएम में पहले से ही दो तेल निस्पंदन संयंत्र हैं, एक लाइन नंबर 3 पर 5000 LPH क्षमता का है, और दूसरा लाइन नंबर 1 और 2 के बीच 3000 LPH क्षमता का है, नए निस्पंदन संयंत्र के जुड़ने से एक समय में तीन लोको से एलसीसी आरटीएम पर निस्पंदन किया जा सकता है।

विंच मशीन –

लोको के पहिये को घुमाने के समय लोको को खींचने के लिए अंडर फ्लोर टायर टर्निंग मशीन पर एक विंच मशीन लगाई जाती है, पहले यह काम दूसरे शंटिंग लोको द्वारा किया जाता था, जो महंगा था और दूसरे शंटिंग लोको की उपलब्धता पर निर्भर करता था, और समय लगता था, और इस विंच मशीन के साथ ये काम आसान और त्वरित हो गया।

एलसीसी आरटीएम में WAP-4 का पहला IOH शेड्यूल किया गया-

WAP-4 लोको क्रमांक 22918 का पहला IOH शेड्यूल लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में किया गया और 27.06.2024 को शेड्यूल जारी होने के बाद, यह पहला इलेक्ट्रिक WAP-4 लोको था जिसका **IOH** शेड्यूल लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम के कर्मचारियों द्वारा किया गया।

अग्नि शमन प्रशिक्षण –

दिनांक **25.06.2024** को ट्रैक्शन प्रशिक्षण केन्द्र रतलाम द्वारा एलसीसी आरटीएम एवं एएलपी/एलपी के कर्मचारियों को अग्नि शमन का प्रशिक्षण दिया गया। वर्तमान में टीटीसी आरटीएम में प्रशिक्षणरत वरिष्ठ प्रशिक्षक टीटीसी/आरटीएम द्वारा अग्नि शमन, आग के प्रकार, अग्निशामक यंत्रों के प्रकार, उनके उपयोग, अग्नि से बचाव तथा ऐसी परिस्थितियों से निपटने के बारे में बताया गया। इस सत्र में एलसीसी/आरटीएम एवंटीटीसी/आरटीएम के **31** कर्मचारी के प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

एल.सी.सी. आर.टी.एम. कर्मचारियों के साथ बातचीत –

दिनांक **19.06.2024** को वं.मं.यां.इंजी श्री मनोज छावडा के द्वारा एल.सी.सी. आर.टी.एम. के सभी कर्मचारियों के साथ "बातचीत" का एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने अपनी गुणवत्ता इकाइयों में कार्य करने के दौरान आने वाली समस्याओं को साझा किया, जैसे लाइन नं. **1** और **2** पर पीने के पानी की

समस्या, लोको वाटर टेस्टिंग एरिया के पास बहुत अधिक घास/वनस्पति जो जहरीले जानवरों का खतरा पैदा करती है, बारिश के बाद लाइन नं. **1** और **2** पर जलभराव, एयर ब्रेक हॉर्न बेल परीक्षण के दौरान तेज आवाज की समस्या, एन.टी.ए. को सुरक्षा जूते उपलब्ध नहीं कराए जाना, कर्मचारियों को दिए जाने वाले सुरक्षा जूतों की घटिया गुणवत्ता, अनुभागों में कम कर्मचारी, कार्यालय तक पहुंचने वाले क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग, प्लेटफार्म पर तेल रिसाव को रोकना, कार्य करने के लिए निरीक्षण लैंप और टॉर्च की कमी, रेडिएटर फटने के बाद प्लेटफार्म पर बहुत अधिक धूल जमा होना, लाइन नं. **1,2** और **3** पर पंखों की कमी आदि और इन समस्याओं को जल्द ही हल करने का आश्वासन दिया गया।

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर –

वर्ष **2024-25** के लिए पहला स्वास्थ्य जांच शिविर **13.06.2024** को लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में मंडल रेलवे अस्पताल रतलाम के समन्वय से आयोजित किया गया। बुनियादी स्वास्थ्य मापदंडों जैसे वजन, ऊंचाई, रक्तचाप, शर्करा का स्तर, नाड़ी दर आदि की जाँच की गई, इसके बाद डॉक्टरों से परामर्श किया गया, कुल **78** शेड कर्मचारियों की जाँच की गई, शिविर में रेलवे अस्पताल के डॉक्टर द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण के लिए प्रदर्शन भी आयोजित किया गया।

सीईई/योजना/सीसीजी द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण–

एलसीसी आरटीएम का निरीक्षण दिनांक **15.06.2024** को श्री डी.के.राठी सीईई/योजना/सीसीजी द्वारा किया गया तथा शेड के निरीक्षण के दौरान एसी लोकोमोटिव के साथ-साथ डीजल लोकोमोटिव के रखरखाव में चल रहे सुधार और प्रगति की सराहना की गई तथा आगे और सुधार करने के निर्देश दिए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस –

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में दिनांक **05.06.2024** "विश्व पर्यावरण दिवस" के अवसर पर वरि.मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/डीजल/रतलाम द्वारा शेड के सभी कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई। जिसके पश्चात शेड कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण संबंधी नाटिका प्रस्तुत की गई।शेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण के संरक्षण संबंधी वक्तव्य प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण संबंधी सुझाव दिए गए। कई शेड कर्मचारियों ने स्वयं के द्वारा किए जा रहे पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों से अवगत कराकर अन्य शेड कर्मचारियों को प्रेरित किया एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु अनुरोध किया गया।

शेड के अरूण वाटिका में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 50 पौधे (फलदार, अशोक आदि) लगाए गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-

21 जून 2024 को एल.सी.सी. आर.टी.एम. के प्रांगण में योग दिवस मनाया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री डॉ. प्रदीप जैन (योग गुरु) एवं श्रीमती हर्षा जैन थे, योग का प्रशिक्षण महिलाओं एवं पुरूषों को अलग-अलग दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत योग गुरु के सम्मान से हुई, योग गुरु द्वारा विभिन्न योग क्रियाओं का प्रदर्शन किया गया तथा शेड कर्मचारियों द्वारा योग सीखा गया, तत्पश्चात "ओम" का उच्चारण किया गया, तथा योग निद्रा भी कराई गई, कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों द्वारा योग पर भाषण दिया गया।

डीजी/एनएआईआर/बीआरसी द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण

एलसीसी आरटीएम का निरीक्षण **28.06.2024** को श्री वी.के.अग्रवाल डीजी/एनएआईआर/बीआरसी द्वारा किया गया। कायाकल्प उद्यान में पौधारोपण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान ट्रैक्शन प्रशिक्षण केंद्र के साथ-साथ एलसीसी आरटीएम के विभिन्न अनुभागों को देखा गया, प्रशिक्षुओं से बातचीत की गई, पारंपरिक एसी लोको वर्किंग मॉडल रूम को देखा गया तथा उसकी सराहना की गई।

टीएमडीडीएस का संशोधन –

आरडीएसओ संशोधन शीट संख्या आरडीएसओ/2022/ईएल/एमएस/0487 Rev.'0' दिनांक 19.09.2023 के अनुपालन में ट्रैक्शन मोटर ड्रॉपिंग डिटेक्शन सिस्टम (टीएमडीडीएस) से संबंधित संशोधन लोको में एलसीसी रतलाम में पहली बार शुरू किया गया है। लोको न. 24410 में यह उपकरण हिताची एचएस 15250ए ट्रैक्शन मोटर्स वाले इंजनों की बोगी में स्थापित किया गया है । टीएमडीडीएस द्वारा कैब में सिग्नलिंग लैंप एलएसटीएम और बजर ध्वनि के माध्यम से चालक दल को सचेत किया, जिसके बाद बीपी को "0" पर गिराकर आपातकालीन ब्रेक लगाने के साथ डीजे ट्रिपिंग हुई और एमपीसीएस डिस्प्ले में एक घटना प्रदर्शित होगी कि "डीजे बीपीईएमएस के माध्यम से ट्रिप हो गया"।

******

यांत्रिक विभाग रतलाम

1. वैगन डिपो,शंभूपुरा द्वारा वैगनों का एक महीने में अब तक सबसे अधिक आरओएच :

जून -2024 माह में वैगन डिपो,शंभूपुरा द्वारा 177 वैगनों का आरओएच किया गया जोकि एक माह में अब तक वैगनों का सबसे अधिक आरओएच है। इससे पहले एक माह में 175 वैगनों का आरओएच अप्रैल-24 और मई-24 में किया गया था।

माह के दौरान अधिकतम आउट टर्न ROH

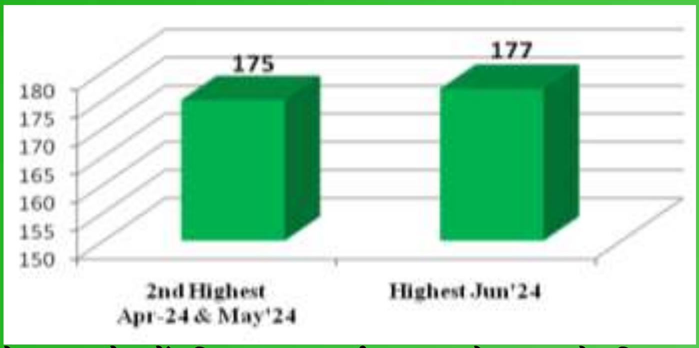

2. **वैगन डिपो, शंभूपुरा ने 8000 वैगनों की सफलतापूर्वक आरओएच करने की उपलब्धि हासिल की :**

8 जून, 2024 को वैगन डिपो, शंभूपुरा ने 8000 वां वैगन संख्या 22141617848 BOXNHL/SECR की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए डिपो में एक आयोजन किया गया । इसमें अपर मंडल रेल प्रबंधक –रतलाम, वरि. मंडल यांत्रिक इंजीनियर -रतलाम और सहा. मंडल यांत्रिक इंजीनियर- शंभूपुरा इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए शंभूपुरा डिपो की आरओएच टीम के साथ शामिल हुए। उन्होंने शंभूपुरा वैगन डिपो की टीम की सराहना की और रेलवे नेटवर्क की दक्षता और विश्वसनीयता बढ़ाने में इस तरह की उपलब्धियों के महत्व पर जोर दिया।

3. **21 मीटर गेज वैगनों का कोच केयर कॉम्प्लेक्स, डॉ. अंबेडकर नगर (डीएडीएन) द्वारा कन्डेमनेशन पूरा किया गया:**

कोच केयर कॉम्प्लेक्स, डीएडीएन द्वारा अधिक उम्र (Overaged) के कारण 21 मीटर गेज वैगनों की कन्डेमनेशन की प्रक्रिया पूरी कर की और इन एमजी वैगनों को 10.05.2024 को फर्म आरके स्क्रैप ट्रेडर्स कोटा को सौंप दिया गया और इससे भारतीय रेलवे को 9896355 रु. का राजस्व प्राप्त ह

4. **रेलवे बोर्ड की समिति द्वारा नामित 01 नग ब्रेक वैन का अपग्रेडेशन वैगन रिपेयर डिपो, शंभुपुरा द्वारा किया गया :** वैगन रिपेयर डिपो, शंभुपुरा को रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2023/टीटी-1/27/11 दिनांक. 08.11.23 के माध्यम से एक ब्रेक वैन के संशोधन के लिए नामित किया गया था। ब्रेक वैन बीवीसीएम - 87122310170 ईसीओआर को रेलवे बोर्ड पत्र में उल्लिखित मानदंडों के अनुसार मई-24 के महीने में संशोधित किया गया है। किए गए संशोधन का विवरण इस प्रकार है:

- लागत प्रतिस्पर्धात्मकता
- Ease of alright exchange
- पानी रहित मूत्रालय
- शोर अलगाव में सुधार, कंपन में कमी
- फर्श में सुधार, नॉन-स्किडिंग सुविधाओं सहित
- सीट में सुधार,आवश्यक उपकरण रखने का प्रावधान
- पेंटिंग
- पानी भरने के लिए एनआरवी संचालित प्रणाली

5. **5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस का पालन:**

5 जून, 2024 को रतलाम मंडल में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधक, सभी शाखा अधिकारियों, अन्य अधिकारियों और सभी विभागों के कर्मचारियों ने पहल की और विभिन्न फील्ड इकाइयों, इंदौर स्टेशन, कोचिंग डिपो, इंदौर और डीएडीएन, वैगन रिपेयर डिपो, शंभूपुरा , कैरिज व वैगन यूनिट / चित्तोडगढ, लोको केयर सेंटर / रतलाम, उज्जैन, नीमच स्टेशन , चित्तौड़गढ़ स्टेशन, उज्जैन स्टेशन , नागदा स्टेशन, नौगावां स्टेशन, रुनिजा स्टेशन, इंदौर एवं चित्तौड़गढ़ की स्वास्थ्य इकाई आदि में पर्यावरण को बचाने के लिए रतलाम मंडल में कुल 245 पौधे लगाए गए।

विभिन्न गतिविधियाँ अर्थात वेबिनार, कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक, रतलाम रेलवे स्कूल में ड्राइंग प्रतियोगिता,, ऑनलाइन स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्टेशनों पर डिजिटल स्क्रीन का प्रदर्शन, मिशन लाइफ प्रतिज्ञा, यात्रियों को जागरूक करने के लिए विभिन्न यात्री इंटरफ़ेस क्षेत्रों में स्टेशन पर बैनर और डिजिटल स्क्रीन का प्रदर्शन, जागरूकता रैली , ऑडियो/वीडियो अभियान का आयोजन किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक - रतलाम ने नुक्कड़ नाटक के आयोजन के लिए Civil Defense team टीम को 5000/ रुपये का नकद पुरस्कार देकर सराहना की।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की गतिविधियाँ

दिनांक 23.04.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम प्रोजेक्ट दस्तक के तहत समाज की कमजोर वर्ग की महिलाओं को अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल के मार्गदर्शन में पदाधिकारियों द्वारा सेनिटरी नैपकिन वितरित किए गए।

दिनांक 01.05.2024 से 25.05.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम द्वारा मंडल पर बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन श्रीमती सपना अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया जिसमें रेलवे कर्मचारियों के बच्चों को आत्मरक्षा तथा आर्ट एवं क्राफ्ट आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक , अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं रेलवे के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में समापन किया गया।

दिनांक 01.05.2024 को श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक सभागृह रतलाम में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल के कर कमलों से , मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार , उपाध्यक्षा श्रीमती सबीना बानों एवं अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया गया इसमें रेलवे के श्रमिकों को उपहार वितरित कर सम्मानित किया गया।

दिनांक 05.07.2024 को मंडल चिकित्सालय रतलाम में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल के कर कमलों से , उपाध्यक्षा श्रीमती सबीना बानों, डॉ.सिम्मी गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में पौधा रोपण किया गया।

राजभाषा की गतिविधियाँ

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 02.05.2024 को मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति रतलाम की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में अधिकारियों एवं स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के अध्यक्षों ने भाग लिया एवं मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में प्रश्नमंच का आयोजन किया गया तथा विजेता अधिकारियों को नकद पुरस्कार दिया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 24.05.2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रतलाम की छ: माही बैठक का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रतलामके सदस्यों ने भाग लिया।

मंडल पर कर्मचारियों की सहायतार्थ हिन्दी कार्यशाला का आयोजन–

दिनांक 24.06.2024 से 28.06.2024 तक चित्तौड़गढ़ एवं उज्जैन के कार्यालयों के कर्मचारियों की सहायतार्थ संयुक्त हिंदी कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इसमे 37 कर्मचारियों ने भाग लिया ।

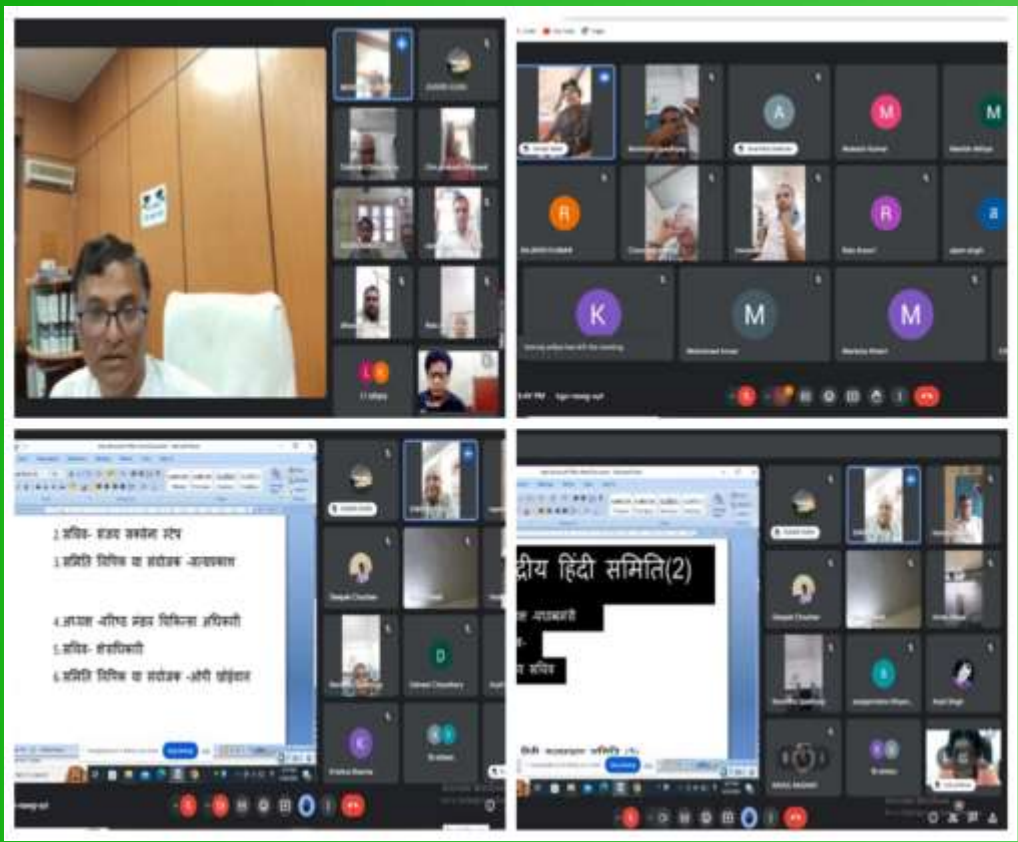

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है|

महात्मा गांधी

सावन कविता

उसरी भूमि में भी,
फल से लद जाती है।
ये खजूर भी,
बिन बोये उग जाती है।
घर-आंगन में नीम
जेठ-मास में,
छांव का ,
मूल्य बताता है।
बड़ पर बंधे झूले,
सावन के गीत गाते है।
पीपल शांतचित्त में,
प्राणवायु का दाता है।
गांव प्रकृति संग,
झूमता रहता है ।
शहर मुंह ताकता,
नजर आता है।

शिव चौहान 'शिव'
वरि.ट्रेन मैनेजर
रतलाम

सावन कविता

आज फिर मेघ आए मेहमान बन कर,
खेतिहर की उम्मीदों की आस बनकर,
गर बरसे तो हो जाये हरी-भरी धरती,
आया है सावन सबके प्राण बन कर।

भीषण गर्मी का ताप मिटा कर,
सूखी धरती की प्यास बुझा कर,
डाल-डाल झूलों की मस्ती है छाई,
आया है सावन अमृत की बूंदें बन कर।

तीज-त्यौहार के मेले बनकर ,
भाई-बहन के रिश्तों में प्यार जगा कर,
बम-बम भोले का जयकारों के संग,
आया सावन कृपामय प्रसाद बन कर।

पर कुछ रूठा -सा भी लग रहा है बादल,
बरसता कहीं बाढ़ की तबाही बनकर,
मानव ने प्रकृति से जो खिलवाड़ है किया,
तो रूठ के आया सावन अकाल बन कर।

अगर इस ओर भी दें हम ध्यान मित्र बनकर,
तो सावन बरसेगा चारों ओर वरदान बनकर,
पेड़ लगायें हर पथ पर, स्वच्छ रखें नदियों को,
तो सावन करें ख़ुशियों की बारिश देव बनकर।

लक्ष्य ताम्रकार
कनि.अनुदेशक
डीजल कर्षण प्रशिक्षण केंद्र, रतलाम

तुम भी राधिका बन जाओ

कविता

संध्या की वैला में

पंछी राग सुनाते हो

पपीहे संग कोयल

गीत सुनाती हो

सावन के महीने में

रिमझीम बरखा होती हो

मंद-मंद मुस्कुराते

अंधेरों पर

दिल की बात आती हो

दूर कहीं कान्हा की

बंशी की धुन सुनाती हो

तब तुम भी

राधिका बन जाओ।

शिव चौहान 'शिव'
वरि.ट्रेन मैनेजर
रतलाम

रिमझिम बरसे सावन

कविता

बारिशों के मौसम में

हरितकी के वारे-वारे

दादुर ने रचे छंद न्यारे-न्यारे

पपीहे के बोल प्यारे-प्यारे

बरस रही है, घटाघुम

चहुंओर पानी के धारे-धारे

चमक रहीं हैं, दामिनी

बादलों के नजारे-नजारे

पुल्कीत हैं, वसुंधरा

झुम रहें तरूवर धीरे-धीरे

रिमझिम बरसे सावन

बूंदों की लड़ी झरे-झरे।

शिव चौहान 'शिव'
वरि.ट्रेन मैनेजर , रतलाम

शोध का धरातल

लेख

अतीत में वर्तमान को झकझोर दिया है। इस कृषि प्रधान युग में इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग को तार-तार कर दिया है। जिस भारत ने कृषि को प्रधानता देकर 'सोने की चिड़िया" बनकर, संपूर्ण विश्व का मार्ग प्रशस्त कर विश्व गुरू कहलाया था। ऐसे भारत के वैज्ञानिकों के 'शोध का धरातल' क्या -क्या होना चाहिए था, आप स्वयं कालपुरुष बनकर कल्पना कीजिए।

हम इस भारत माता को किस मुँह से कृषि प्रधान देश कह रहे हैं या विश्व को पाठ पढ़ा रहे हैं, जहाँ के शोधकर्ता उस रचनाकार सृष्टि के ब्रह्म को न मानकर, अन्य महाशक्तियों का अनुकरण कर सृष्टि के पंच भूतों पर (क्षितिज , जल, पावक, गगन, समीर) ही शोध का धरातल मानकर शोध किए जा रहे हैं।

स्मरण रहे, ये पंच महाभूत शास्वत थे, हैं, और रहेगें।

प्रकृति का नियम है – 'Universal is always' यह ना बदला है और ना ही कभी बदलेगा।

लेकिन ने इस अधिदैनिक संरचना को भूल गए हैं। फलतः धरती में कैंसर का बीजारोपण तथा शास्वत जल मर्यादा बांध रहा है। सविता देवता आत्मग्लानि से आग के गोले बरसा रहा है। अन्तरिक्ष की खोजें गगन को छलनी बना रहा है।

हमारे शोधकर्ता इस कृषि को धरातल को भूलकर इन सृष्टि के पंच महाभूतों के साथ छेड़, छाड़ करेंगे तो ये भी शास्वत सत्य है कि तबाही, विनाशलीला के बादल मंजर बन उमड़-घुमड़ कर आता ही है।

चाहे वह समय आज कल या परसों हो।

इंदु तिवारी

सेवानिवृत्त- संरक्षा सलाहकार (यातायात)

रतलाम

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2024-25 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र	कार्य विवरण	'क' क्षेत्र		'ख' क्षेत्र		'ग' क्षेत्र	
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. **'क'** क्षेत्र से 'क' क्षेत्र को	100%	1. **'ख'** क्षेत्र से 'क' क्षेत्र को	90%	1. **'ग'**क्षेत्र से 'क' क्षेत्र को	55%
		2. **'क'** क्षेत्र से 'ख' क्षेत्र को	100%	2. **'ख'** क्षेत्र से 'ख' क्षेत्र को	90%	2. **'ग'**क्षेत्र से 'ख' क्षेत्र को	55%
		3. **'क'** क्षेत्र से 'ग' क्षेत्र को	65%	3. **'ख'**क्षेत्र से 'ग' क्षेत्र को	55%	3. **'ग'** क्षेत्र से 'ग' क्षेत्र को	55%
		4. **'क'** क्षेत्र से 'क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ के कार्यालय/व्यक्ति	100%	4. **'ख'** क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ के कार्यालय/व्यक्ति	90%	4. **'ग'**क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ के कार्यालय/व्यक्ति	55%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%		100%		100%	
3.	हिंदी में टिप्पण	75%		50%		30%	
4.	हिंदी माध्यम द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%		60%		30%	
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%		70%		40%	
6.	हिंदी डिक्टेशन /की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%		55%		30%	
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%		100%		100%	
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%		100%		100%	

9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रुप में खरीद	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डो आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों) (उ.स./निदे/सं.स) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण	वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण		

14.	राजभाषा संबंधी बैठके			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति	वर्ष में 2 बैठकें		
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छ:माही एक बैठक)		
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के पैसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हो	"क" क्षेत्र 40%	"ख" क्षेत्र 30%	"ग " क्षेत्र 20%
	(न्यूनतम अनुभाग) सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों आदि, जहां अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं, "क " क्षेत्र में कुल कार्यक्षेत्र का 40% "ख" क्षेत्र में 25% और "ग" क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया गया।			

	नाम	**वर्णों की संख्या**	**हिंदी वर्ण माला**
हिंदी वर्णमाला स्वर और व्यंजन के 52 वर्ण का विभाजन	स्वर	11	अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए , ऐ , ओ, औ
	व्यंजन	33	क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ, ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न, प फ ब भ म, य र ल व, श ष स ह
	संयुक्त व्यंजन	4	क्ष त्र ज्ञ श्र
	द्विगुण व्यंजन	2	ड़ ढ़
	अनुस्वार यानि चंद्रबिंदु	1	अं (ं) या अँ (ँ)
	विसर्ग	1	अः या (:)

ओम प्रकाश मीना वरि . अनु (राजभाषा)

ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग

राजभाषा विभाग रतलाम द्वारा ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग और ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग का संग्रह तैयार किया गया है जो श्रंखला के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है |

ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग

गतांक से आगे ....

च, छ, ज, झ

- चर्चा के अनुसार।

ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग

च, छ, ज, झ

- जाँच करें।
- जाँच करे और रिमार्क दें।
- चूककर्ता के विरूद्ध आरोप तैयार करें।
- जिम्मेदारी/जवाबदेही ठहरायी जाए।
- जो आदेश पहले दिया जा चुका है उसमें परिवर्तन /आशोधन का कोई कारण नहीं है।
- कागज़ात तुरंत प्रस्तुत किए जाएं।
- कृपया चर्चा करें।

दौलतराम ताबियार
वरि अनुवादक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय, रतलाम

शेष अगले अंक में ....

दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन

गतांक से आगे ....

प्रश्न(61) स्टेशन पर फाउलिंग मार्क जाम होने के कारण यदि पास वाली लाइन पर गाड़ी संचालन करते समय दुर्घटना हो जाती है तो इस प्रकार की दुर्घटना को क्या कहा जाएगा?

उत्तर:- साइड कोलिजन।

प्रश्न(62) मॉक ड्रिल किस विभाग के द्वारा की जाती है?

उत्तर :- सेफ्टी डिपार्टमेंट (संरक्षा विभाग) द्वारा।

प्रश्न(63) एआरएमई स्केल II को दुर्घटना स्थल के लिए भेजने का निर्धारित समय क्या है?

उत्तर: - दिन में 15 मिनट एवं रात्रि में 20 मिनट।

प्रश्न(64) क्या एआरएमई स्केल II को सड़क मार्ग से दुर्घटना स्थल तक भेजा जा सकता है ?

उत्तर:- हां रेलमार्ग या सड़क मार्ग से भेजा जा सकता है।

प्रश्न(65) ARME स्केल II को सड़क मार्ग से भेजने पर होने वाले खर्च की प्रतिपूर्ति कहां से की जाएगी?

उत्तर:- स्टेशन अर्निंग से।

प्रश्न(66) ARME स्केल II को दुर्घटना स्थल तक कौन लेकर जाएगा?

उत्तर:- यदि दो स्टेशन मास्टर ड्यूटी पर हैं तो उनमें से एक स्टेशन मास्टर /ऑफ ड्यूटी स्टेशन मास्टर /वाणिज्य विभाग का कोई भी तृतीय श्रेणी का कर्मचारी लेकर जाएगा व वापस लेकर आएगा।

प्रश्न(67) ARME स्केल II के दुर्घटना स्थल से वापस लौट कर आने पर संयुक्त निरीक्षण किसके द्वारा किया जाएगा जिससे कि जो सामान दुर्घटना स्थल पर उपयोग में लिया गया है उसकी प्रतिपूर्तिमेडिकल विभाग द्वारा की जासके।

उत्तर :- स्टेशन मास्टर व मेडिकल विभाग के द्वारा।

प्रश्न(68) रेल परिसंपत्ति के नुकसान के लिए थ्रोस होल्ड वैल्यू कितनी है?

उत्तर :- 2 करोड़ से अधिक .

प्रश्न(69) स्टेशन पर गाड़ी प्रवेश करते समय यदि गाड़ी डेड एंड में प्रवेश कर जाती है तो इसे किस प्रकार की दुर्घटना माना जाएगा ?

उत्तर :- ब्रीच ऑफ ब्लॉक रूल।

प्रश्न(70) स्टेशन सीमा के बाहर गाड़ी रुकने के बाद अवरोध व गाड़ी के बीच अंतराल 400 मीटर से कम रहता है, तो उसे किस प्रकार की दुर्घटना माना जाएगा?

उत्तर :- निवारित टक्कर (averted collision)

दुर्गा प्रसाद वर्मा
सेवानिवृत्त -संरक्षा सलाहकार (यातायात)
रतलाम

शेष अगले अंक में .....

सुमित्रानंदन पंत

जन्म २० मई १९००

जीवन परिचय :– उत्तराखंड के कौसानी–अल्मोड़ा में जन्मे सुमित्रानंदन पंत ने बचपन से ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। इनकी आरंभिक कविताओं में प्रकृति प्रेम और रहस्यवाद झलकता है। पंतजी आकाशवाणी के परामर्शदाता रहे। लोकायतन सांस्कृतिक संस्था की स्थापना की। भारत सरकार ने इन्हें पद्मभूषण सम्मान से अलंकृत किया। हिंदी के पहले ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता रहे। इनका निधन 28 दिसंबर 1977 को हुआ।

पर्वत–प्रदेश में पावस

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल–पल परिवर्तित प्रकृति–वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्त्र दृग–सुमन फाड़,

अवलोक रहा है बार–बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों मे पला ताल
दर्पण–सा फैला है विशाल !

गिरि का गौरव गाकर झर–झर
मद में नस–नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर !

गिरिवर के उर से उठ–उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरूवर
हैं झांक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर

उड़ गया अचानक ला भूधर
फड़का अपार पारद के पर !
रव शेष रह गए हैं निर्झर
है टूट पड़ा भू पर अंबर !

धँस गए धरा में समय शाल !
उठ रहा धुआँ जल गए ताल !
– यों जलद यान में विचर–विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल

राजभाषा विभाग, रतलाम मंडल (प.रे.)

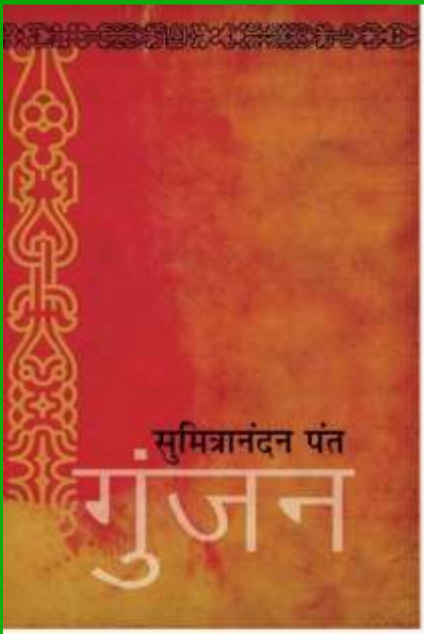

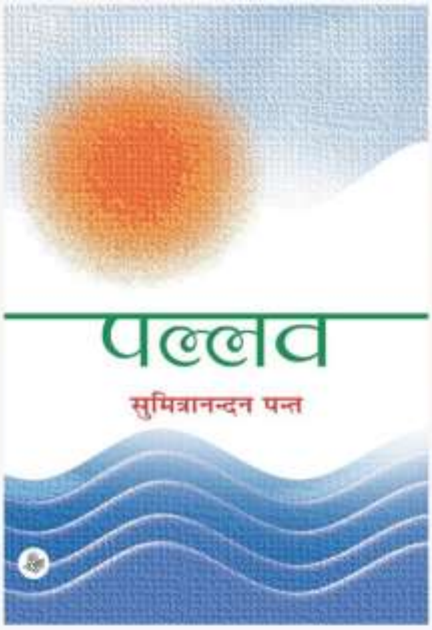

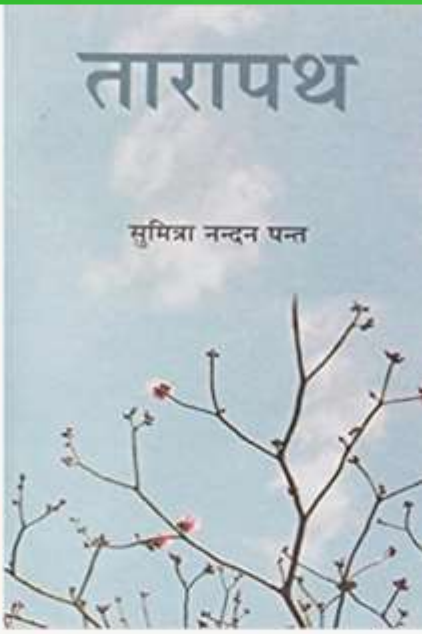

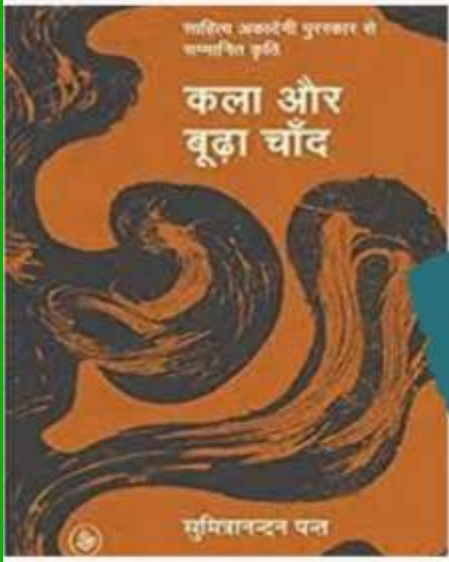

सुमित्रानंदन पंत की कृतियाँ एवं डाक टिकट

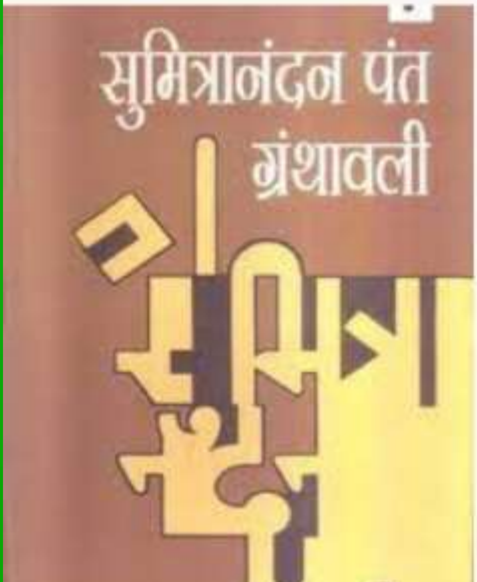

विश्व पर्यावरण
दिवस